डिजीटल पत्र

दैनिक

कांग्रेस दर्पण

पटना, 06 जुलाई, शनिवार, 2024

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल सदाकत आश्रम पटना-10

मो0 शमीम मंसूरी ने कांग्रेस सेवादल की सदस्यता ग्रहण की

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

दिनांक 5 जुलाई 2024 को बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल कार्यालय सदाकत आश्रम पटना मे बिहार सेवा दल प्रभारी मोहम्मद अफरोज खान कार्यकारी मुख्य संगठन प्रोफेसर डॉक्टर संजय कुमार, पटना जॉन के अध्यक्ष नंद बिहारी सिंह, प्रदेश महासचिव आशुतोष रंजन, प्रदेश महासचिव सह कार्यालय मंत्री विपिन झा प्रदेश सचिव सह पटना प्रभारी सुकेश कुमार की उपस्थिति में कुदरा के रहने वाले मो० शमीम मंसूरी ने सेवादल की सदस्यता ग्रहण की।

इसके पश्चात प्रदेश सचिव सह पटना प्रभारी सुकेश कुमार की ओर से हमारे वरिष्ठ पटना के जोनल अध्यक्ष नंद बिहारी जी को सेवादल के प्रति इनके निष्ठा और प्रेम को देखते हुए मोमेंटो देकर सम्मानित किया ।

तेलंगाना में बीआरएस को बड़ा झटका, 6 विधायक कांग्रेस में हुए शामिल

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव (केसीआर) की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को एक बड़ा झटका लगा है।बीआरएस के छह एमएलसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हो गए। पिछले साल विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद से ही बीआरएस के एमएलसी के पार्टी छोड़ने क सिलसिला जारी है।

कांग्रेस में शामिल होने वाले छह एमएलसी में दांडे विट्ठल, भानु प्रसाद राव, एम एस प्रभाकर, बोग्गरापु दयानंद, येग्गे मल्लेशम और बसवाराजू सरैया शामिल हैं। सीएम रेवंत रेड्डी, तेलंगाना में एआईसीसी प्रभारी दीपा दासमुंशी और

अन्य नेताओं की उपस्थिति में बीआरएस के एमएलसी कांग्रेस में शामिल हुए।

बीआरएस एमएलसी के दलबदल के बाद केटी रामा राव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधा। केटीआर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, ₹बीआरएस सांसद केशव राव ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद इस्तीफा दे दिया। उनके फैसले का स्वागत है। लेकिन उन बीआरएस विधायकों का क्या जिन्होंने हारने के बावजूद कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा।

उन आधे दर्जन बीआरएस विधायकों का क्या जो दलबदल कर कांग्रेस में शामिल हो गए। राहुल गांधी क्या आप ऐसे ही संविधान को कयम रखेंगे। अगर आर बीआरएस विधायकों से इस्तीफा नहीं दिला सकते, तो देश को आपके ऊपर भरोसा कैसे होगा? आप कांग्रेस के घोषणापत्र के अनुसार, 10वें संशोधन के लिए प्रतिबद्ध थे। ये कैसा न्यायपत्र है।

तेलंगाना विधान परिषद वेबसाइट के अनुसार, बीआरएस के पास 25 सदस्य, जबकि कांग्रेस के पास चार सदस्य हैं। 40 सदस्यीय सदन में दो सीटें खाली हैं। वहीं, चार नामित एमएलसी विधायक, एआईएमआईएम के दो सदस्य, भाजपा, पीआरटीयू के एक-एक और एक निर्दलीय सदस्य हैं। सीएम रेवंत रेड्डी के दिल्ली के दो दिवसीय दौरे से वापस आने के बाद ही बीआरएस विएमएलसी कांग्रेस में शामिल हुए।

झामुमो ने डॉ. सरफराज अहमद को राज्यसभा में संसदीय दल का नेता मनोनीत किया

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

रांचीः

सांसद डॉ. सरफराज अहमद को राज्यसभा में झारखंड मुक्ति मोर्चा के संसदीय दल का नेता बनाया गया है। झामुमो संसदीय दल की बैठक में डॉ. सरफराज अहमद को मनोनित किया गया। शिबू सोरेन के हस्ताक्षर वाला पत्र जारी कर इस बात की जानकारी दी गई है। राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखा है। गौरतलब है कि गांडेय से विधायक रहे डॉ. सरफराज अहमद ने 31 दिसंबर 2023 को इस्तीफा दे दिया था। पार्टी के निर्देश पर उन्होंने ऐसा किया था ताकि, तात्कालीन राजनीतिक परिस्थियों में किसी भी प्रकार की अस्थिरता की स्थिति में कल्पना मुर्मू सोरेन वहां से चुनाव लड़

सकें। राजनीतिक अस्थिरता आई जब 31 जनवरी को हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि कल्पना मुर्मू सोरेन मुख्यमंत्री नहीं बनीं। बाद में लोकसभा चुनाव के साथ गांडेय में उपचुनाव हुआ। कल्पना मुर्मू सोरेन यहां जीतकर विधायक बनीं।

शिबू सोरेन ने सभापति को लिखी चिट्ठी : झामुमो के सुप्रीम लीडर शिबू सोरेन ने राज्यसभा के सभापति को लिखा है कि झारखंड से झामुमो के राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद को झामुमो संसदीय दल का नेता चुना गया है। शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा संसदीय दल की बैठक में इसका निर्णय लिया गया। डॉ. सरफराज पार्टी के वरीय नेता हैं। उनको संसदीय कार्यों का बड़ा अनुभव है।

गांडेय सीट से विधायक थे डॉ. सरफराजः गौरतलब है कि 2019 में गांडेय विधानसभा सीट से विधायक चुने गये डॉ. सरफराज अहमद ने 31 दिसंबर को पद सरे इस्तीफा देकर चौंका दिया था। हालांकि, तात्कालीन राजनीतिक परिस्थियों में यह सहज ही अंदाजा लगाया गया कि उन्होंने पार्टी के निर्देश पर कल्पना मुर्मू सोरेन के लिए गांडेय सीट खाली कर दी है। डॉ. सरफराज अहमद को पार्टी ने इसका इनाम दिया। उनको राज्यसभा भेजा गया। बाद में उपचुनाव के दौरान वह कल्पना मुर्मू सोरेन के लिए प्रचार करते नजर आये।

नेता विपक्ष श्री @RahulGandhi राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'रक्षा अलंकरण समारोह–2024' में शामिल हुए
देश की रक्षा करने वाले महानायकों को हमारा नमन 🙏

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रेलगाड़ियां चलाने वाले लोको पायलटों से मुलाकात की

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को रेलगाड़ियां चलाने वाले लोको पायलटों से मुलाकात की और उन्हें विश्वास दिलाया कि वह 'रेलवे के निजीकरण' और भर्तियों की कमी का मुद्दा उठाएंगे। कांग्रेस के अनुसार, उसके पूर्व अध्यक्ष दोपहर के समय नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पूरे भारत के लगभग 50 लोको पायलट से मिले। इस मुलाकात के दौरान लोको पायलटों ने बताया कि उन्हें आराम करने का पूरा समय नहीं मिलता। कांग्रेस ने इस मुलाकात का वीडियो एवं तस्वीर भी जारी की।

पार्टी के अनुसार, लोको पायलटों की शिकायत है कि वे लंबी दूरी की रेलगाड़ियां चलाते हैं और अक्सर पर्याप्त विराम के बिना उन्हें फिर ड्यूटी पर भेज दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इससे अत्यधिक तनाव होता है और एकाग्रता में कमी आती है जो दुर्घटनाओं का एक

प्रमुख कारण है। कांग्रेस ने कहा कि विशाखापत्तनम में दुर्घटना की हालिया जांच सहित कई रिपोर्ट में इस बात को रेलवे द्वारा स्वीकार किया गया है।

पार्टी ने कहा, ''लोको पायलटों की मांग है कि उन्हें साप्ताह में 46 घंटे का आराम मिले। इसका मतलब यह है कि शुक्रवार दोपहर को घर लौटने वाला ट्रेन चालक रविवार की सुबह से पहले ड्यूटी पर लौट आएगा। रेलवे अधिनियम 1989 और अन्य नियमों में पहले से ही प्रति सप्ताह 30 जमा 16 घंटे आराम का प्रावधान है, जिसे लागू नहीं किया जा रहा है। हवाई जहाज के पायलटों को भी आम तौर पर इतनी ही छूट मिलती है।"

कांग्रेस का कहना है कि लोको पायलट की यह भी मांग है कि लगातार दो रात की ड्यूटी के बाद एक रात का आराम होना चाहिए और ट्रेनों में चालकों के लिए बुनियादी सुविधाएं होनी चाहिए। राहुल गांधी और लोको पायलट की इस मुलाकात के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि ''सरकार द्वारा लोको पायलटों की सभी भर्ती रोक देने के और कर्मचारियों की कमी के कारण (उन्हें) कम आराम मिल पात है।"

कांग्रेस ने कहा, ''पिछले चार वर्ष में, रेलवे भर्ती बोर्ड ने हजारों रिक्तियों के बावजूद एक भी लोको पायलट की भर्ती नहीं की। पायलटों ने आशंका जताई कि यह जानबूझकर उठाया गया कदम मोदी सरकार की रेलवे का निजीकरण करने की योजना है।" राहुल गांधी ने लोको पायलटों को बताया कि वह रेलवे के निजीकरण और भर्ती की कमी का मुद्दा लगातार उठाते रहे हैं। कांग्रेस ने कहा, ''राहुल गांधी ने उनकी चिंताओं को सुना और पर्याप्त आराम की उनकी मांग का पूरा समर्थन किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे दुर्घटनाओं में काफी कमी आएगी। उनकी मांगों को सरकार के समक्ष उठाने का विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने वादा किया।"

'हाथ ही बदलेगा हालात'

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री Devender Yadav जी के निर्देशानुसार आज नई दिल्ली जिला कांग्रेस कमेटी कार्यकारिणी की मासिक बैठक ए–5 डिफ़ेंस कॉलोनी रिंग रोड, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

बैठक में माननीय कोषाध्यक्ष अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार व सांसद Ajay Maken जी, प्रभारी ज़िला कांग्रेस वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक हरिशंकर गुप्ता जी, पूर्व मंत्री किरण वालिया जी, पूर्व मंत्री योगानंद शास्त्री जी, वरिष्ठ नेता व सदस्य AICC जगजीवन शर्मा जी, नई दिल्ली ज़िला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष वीरेन्द्र कसाना जी, नई दिल्ली ज़िला कांग्रेस कार्यकारिणी के सदस्य व वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने टेलिकॉम कंपनियों द्वारा बढ़ाए गए प्लान्स के दामों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली

कांग्रेस ने शुक्रवार को टेलिकॉम कंपनियों द्वारा बढ़ाए गए प्लान्स के दामों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने दावा किया है कि प्राइवेट टेलिकॉम कंपनियों ने वार्षिक शुल्क बढ़ाकर जनता की जेब से 34,834 करोड़ रुपये वसूले हैं। इसके अलावा, मोदी 3.0 में प्राइवेट टेलिकॉम कंपनियों की एक बार फिर से मुनाफाखोरी बढ़ने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने सवाल किया है कि आखिर क्यों मोदी सरकार ने अपनी आंखें बंद कर रखी हैं?

कांग्रेस सांसद व महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि तीन जुलाई से देश की प्राइवेट सेलफोन कंपनियों यानी कि रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने एक साथ अपना

टैरिफ औसतन 15 फीसदी बढ़ा दिया है। इन तीनों प्राइवेट कंपनियों का मार्केट शेयर 91.6 फीसदी है यानी कि 119 करोड़ यूजर्स में से 109 करोड़ यूजर्स इन्हीं तीन कंपनियों के हैं। कांग्रेस ने कहा कि 23 अप्रैल को पेश की गई ट्राई रिपोर्ट के अनुसार, देश में सेलफोन इस्तेमाल करने वाले प्रति ग्राहक से प्रतिमाह औसत कमाई 152 रुपये की है। तीन जुलाई से रिलायंस जियो ने अपने यूजर्स के लिए शुल्क 12 फीसदी से बढ़ाकर 27 फीसदी तक बढ़ा दिया। वहीं, एयरटेल ने भी 11 फीसदी से 21 फीसदी तक की वृद्धि की है। वोडाफोन इंडिया ने 10 फीसदी से 24 फीसदी तक कीमतें बढ़ा दीं। इससे साफ है कि कीमतें बढ़ाने की तारीख तीनों कंपनियों ने आपस में मिलकर तय की।

मोदी सरकार से सवाल करते हुए कांग्रेस ने कहा है कि बिना रेगुलेशन, नियम या निगरानी के बिना प्राइवेट कंपनियों को एकतरफा मर्जी व मनमानी से कीमतें बढ़ाने की अनुमति क्यों दी? क्या सरकार ने कीमतों में होने वाली वृद्धि को चुनाव पूरा होने तक रोक कर नहीं रखा था, ताकि उनसे अतिरिक्त वसूली के लिए जवाब न मांगा जाए? ऐसा कैसे हो सकता है कि सभी निजी कंपनियां अपना औसत टैरिफ समान रूप से 15–16 फीसदी बढ़ाएं, जबकि उनकी प्रॉफिटेबिलिटी, निवेश, कैपेक्स की जरूरत अलग–अलग हैं। फिर भी मोदी सरकार ने इस पर अपनी आंखें क्यों मूंद रखी हैं।

8 जुलाई को विस में बहुमत हासिल करेंगे हेमंत, 9 जुलाई को कैबिनेट एक्सटेंशन

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

पहले दिन यह जानकारी मिली कि हेमंत सोरेन 7 जुलाई को मुख्यमंत्री (उट) पद की शपथ लेंगे, लेकिन उसके अगले दिन तीन दिन पहले ही 4 जुलाई को उन्होंने शपथ ले ली। उन्होंने अकेले शपथ ली।

4 जुलाई को ही यह तय हो गया कि उट पद की शपथ लेने के बाद हेमंत सोरेन 8 जुलाई को सदन में विश्वासमत हासिल करेंगे। विश्वासमत हासिल करने के बाद ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा।

ऐसा बताया जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान से चर्चा के बाद 9 जुलाई को मंत्रिमंडल का विस्तार किया जा सकता है।

कौन–कौन हो सकते हैं मंत्री

जानकारी के मुताबिक, चंपाई सोरेन मंत्रिपरिषद के अधिकतर चेहरों को दोबारा मौका मिलेगा। चंपाई सोरेन को गठबंधन दलों के को–आर्डिनेशन कमेटी का संयोजक बनाया जा सकता है। झामुमो की ओर से दीपक बिरुआ, मिथिलेश ठाकुर, हफिजुल हसन, बसंत सोरेन और बेबी देवी के नाम तय माना जा रहा।

12वें मंत्री के तौर पर लातेहार विधायक बैद्यनाथ राम को मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। कांग्रेस से डॉ रामेश्वर उरांव, बन्ना गुप्ता और बादल मंत्री थे, जबकि राजद से सत्यानंद भोक्ता मंत्री थे। झामुमो और राजद की ओर से मंत्रियों के कोटे बदलने के आसार कम नजर आ रहे हैं।

कांग्रेस में आलाकमान के निर्देश पर एक–दो मंत्री को बदलने पर निर्णय हो सकता है। टेंडर मैनेज करने के मामले में कांग्रेस के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के जेल जाने के बाद खाली सीट पर कांग्रेस डॉ इरफान अंसारी को मंत्री बनाने का नाम तय कर चुकी है।

बीजेपी के सबसे मजबूत गढ़ गुजरात में कांग्रेस नेता राहुल गांधी जल्द ही करेंगे दौरा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

अहमदाबाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी जल्द ही गुजरात के मोर्चे पर सक्रिय होंगे। राहुल गांधी ने लोकसभा में नेता विपक्ष के तौर पर बोलते हुए बीजेपी को गुजरात में हराने की चुनौती दी थी। इसके बाद सवाल खड़ा हुआ था कि राहुल गांधी ने बीजेपी को इतनी बड़ी चुनौती कैसे दे दी? अब राहुल गांधी के गुजरात में सक्रिय होने के संकेत मिले हैं। राज्य में हिंदू वाले बयान को लेकर जहां कांग्रेस और बीजेपी आमने–सामने हैं तो वहीं इसी बीच राहुल गांधी गुजरात का पहला दौरा सकते हैं। इसके संकेत पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने दिए हैं।

गोहिल ने कहा कि बीजेपी के हमले के दौरान बब्बर शेर की तहत मुकाबला करने वाले कार्यकर्ताओं से मिलने के लिए राहुल गांधी जल्द राज्य का दौरा करेंगे। गोहिल ने कहा कि कांग्रेस दफ्तर के बाहर हुई झड़प के मामले में पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की है। गोहिल ने 6 जुलाई को पूरे राज्य के कार्यकर्ताओं को अहमदाबाद आने की अपील की है। संभावना जताई जा रही है कि अगर अहमदाबद पुलिस बीजेपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती है तो राहुल गांधी छह जुलाई को भी अहमदाबाद पहुंच सकते हैं।अहमदाबाद में सात जुलाई को 18 किलोमीटर लंबी भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकलनी है।

लंबे समय बाद आमना–सामना

गुजरात में कांग्रेस तीन दशक से सत्ता से बाहर है, लेकिन राज्य में पिछले कई सालों में ऐसी कोई घटना नहीं हुई। जिसमें दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच सीधी झड़प हुई हो। अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यालय के बाहर पुलिस की मौजूदगी में पथराव हुआ था। 2013 तक ऐसी घटनाएं दोनों पार्टियों की युवा इकाईयों के बीच छात्र राजनीति में होती थीं। कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी ने हिंदू धर्म को लेकर जो भी कहा है वह एकदम सही है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है। लोकसभा में बीजेपी को क्लीन स्वीप से रोकने और राजकोट अग्निकांड हादसे पर पूरे शहर के बंद करके गोहिल ने अपना कद बढ़ाया है। ऐसा माना जा रहा है कि अब राहुल गांधी सीधे तौर पर गुजरात में अपनी सक्रियता बढ़ा सकते हैं।

लोकसभा चुनावों नहीं आए थे

लोकसभा चुनावों में राहुल गांधी गुजरात के दौरे पर नहीं आए थे। प्रियंका गांधी ने सिर्फ वलसाड और बनासकांठा में सभाएं की थी। गोहिल के बयान को राजनीतिक हलकों में बड़ी तैयारी से जोड़कर देखा जा रहा है। संभावना है कि राहुल गांधी राज्य में पंचायत चुनावों से पहले पूरी तरह से सक्रिय हो सकते हैं। इसी के साथ कांग्रेस पार्टी के राज्य में नए सिरे से संगठन को मजबूत करने की कवायद भी शुरू हो सकती है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य की दो विधानसभा सीटों पर उप चुनाव होना है। पार्टी दोनों सीटों पर मजबूती से लड़ेगी। माणावदर सीट को पार्टी इंडिया अलांयस के तहत आम आदमी पार्टी के लिए छोड़ सकती है।

इसी महीने एंट्री संभव

राहुल गांधी ने लोकसभा में बीजेपी को सीधी चुनौती फेंकते हुए कहा था कि हम आपको गुजरात में हराएंगे। उनके बयान का मतलब 2027 के चुनावों से था। गुजरात की 182 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 92 सीटों का है। कांग्रेस ने पिछले चुनावों में 17 सीटें जीती थीं, हालांकि 2017 के चुनावों में पार्टी ने 77 सीटें जीती थीं। तब बीजेपी पिछले दो दशक में पहली बार दो अंकों पर आ गई थी। बीजेपी को 99 सीटें मिली थी। पार्टी को उस चुनाव में 41.44 फीसदी वोट मिले थे। बीजेपी के खाते में 49.05 प्रतिशत वोट गए थे। राहुल गांधी के नेता विपक्ष बनने के बाद प्रदेश इकाई गुजरात में उनकी सक्रियता बढ़ाना चाहती है। इसकी शुरुआत इसी महीने हो सकती है। चर्चा यह भी है कि राहुल गांधी अपने दौरे में राजकोट टीआरपी गेम जोन के पीड़ितों से मिलने के लिए भी जा सकते हैं। राहुल गांधी अपने दौरों में मोरबी ब्रिज हादसे, वडोदरा हरनी नाव हादसे के पीड़ितों से भी मिलने जा सकते हैं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति पीड़ितों को न्याय दिलाने को लेकर बड़े कार्ययोजना पर काम कर रही है। सूत्रों की मानें तो पार्टी आने वाले दिनों के इसका ऐलान कर सकती है। टीम राहुल गांधी का हिस्सा जिग्नेश मेवाणी राजकोट में सक्रिय हैं।

INDIA गठबंधन सेना को कभी कमज़ोर नहीं होने देगा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

शहीद अग्निवीर अजय कुमार जी के परिवार को सरकार की ओर से कोई Compensation नहीं मिला है।

Compensation और Insurance में फर्क होता है, शहीद के परिवार को सिर्फ बीमा कंपनी की ओर से भुगतान किया गया है।

सरकार की ओर से जो सहायता शहीद अजय कुमार के परिवार को मिलनी चाहिए थी वो नहीं मिली है।

देश के लिए जान देने वाले हर शहीद के परिवार का आदर किया जाना चाहिए पर मोदी सरकार उनके साथ भेदभाव कर रही है।

सरकार कुछ भी कहे, यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है और मैं इसे उठाता रहूंगा।

INDIA गठबंधन सेना को कभी कमज़ोर नहीं होने देगा।

~ Rahul Gandhi

जयराम रमेश बोले- सरकार बच्चों की शिक्षा को नुकसान पहुंचा रही है

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए शिक्षा मंत्रालय पर कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तकों की छपाई में देरी के बाद बच्चों की शिक्षा को ₹नुकसान पहुँचाने₹ का आरोप लगाया।

या तो सड़ांध गहरी है, या अक्षमता हर दिन नई ऊँचाइयों को छू रही है कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तकों की छपाई में देरी के बारे में कहा।(एएनआई)

₹या तो सड़ांध गहरी है, या अक्षमता हर दिन नई ऊँचाइयों को छू रही है!₹ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कक्षा 6 की पाठ्यपुस्तकों की छपाई में देरी के बारे में कहा।(एएनआई)

₹स्कूल वर्ष शुरू होने के बावजूद, एनसीईआरटी झ्र राष्ट्रीय (नागपुर पढ़ें) शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद झ्र कक्षा 6 के छात्रों के लिए विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करने में विफल रही है,₹ कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश

ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा।

रमेश ने यह भी आरोप लगाया कि पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण अधिगम सामग्री समिति (एनएसटीसी) द्वारा अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है और उन्हें प्रिंट करने में 10 से 15 दिन और लगेंगे।

कांग्रेस महासचिव ने यह भी दावा किया कि अधिकारियों को उम्मीद है कि छात्रों को किताबें उपलब्ध होने में दो महीने की देरी होगी।

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, नई पाठ्यपुस्तकें अप्रैल में पढ़ाई जानी थीं और अभी तक बाजार में नहीं आई हैं।

कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करा दी गई हैं, जबकि शैक्षणिक सत्र के बीच में कक्षा 6 के लिए केवल अंग्रेजी और हिंदी की पाठ्यपुस्तकें जारी की गई हैं।

शिक्षा मंत्रालय (एमओई) ने कक्षा 3 से 12 के लिए नई पाठ्यपुस्तकें बनाने के लिए पिछले जुलाई में एनएसटीसी का गठन किया था, जिसकी महत्वाकांक्षी समय सीमा फरवरी थी।

हालांकि, उसके बाद NSTC ने केवल कक्षा 3 और 6 की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव करने का फैसला किया।

पीटीआई के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय (MoE) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के लिए, कक्षा 3 और 6 में नई और आकर्षक पाठ्यपुस्तकें पेश की जाएंगी। पाठ्यपुस्तक विकास कार्य अंतिम चरण में है और कक्षा 3 और 6 के लिए नौ पाठ्यपुस्तकें पहले से ही उपलब्ध हैं। शेष आठ बहुत जल्द उपलब्ध होंगी।

या तो सड़ांध गहरी है, या अक्षमता हर दिन नई ऊंचाइयों को छूती है रमेश ने कहा कि NCERT को अभी तक ठरळउ से कक्षा 6 के लिए सामाजिक विज्ञान, गणित और विज्ञान की नई पुस्तकों के मसौदे नहीं मिले हैं।

हाथरस भगदड़ पीड़ित परिवारों से मिलकर बोले राहुल गांधी प्रशासन से गलती तो हुई है

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

हाथरस

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शुक्रवार सुबह हाथरस पहुंचे. यहां उन्होंने भगदड़ पीड़ित से मुलाकात की. उन्होंने इससे पहले अलीगढ़ पहुंचकर भी पीड़ितों से मुलाकात की थी.

उन्होंने हाथरस के ग्रीन पार्क में पीड़ितों से मुलाकात की. सभी पीड़ित इसी पार्क में इकट्ठा हुए थे. वह भगदड़ में जान गंवा चुकी मुन्नी देवी और आशा देवी के साथ घायल माया देवी से मिले. ये सभी हाथरस के नवीपुर खुर्द के रहने वाले हैं.

राहुल गांधी इस हादसे में दम तोड़ चुकी ओमवती के परिवार के लोगों से भी मिले. बता दें कि इस हादसे में जान गंवाने वालों में हाथरस जिले के बीस और शहर के दस लोग शामिल हैं.

राहुल गांधी ने क्या कहा ?

हाथरस पीड़ितो से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा कि बहुत परिवारों को नुकसान हुआ है, बहुत लोगों की मौत हुई है. मैं इसको राजनीतिक प्रिज्म से नहीं कहना चाहता हूं. मगर प्रशासन की कमी तो है, गलतियां तो हुई हैं. ये पता लगाया जाना चाहिए.

उन्होंने कहा कि लेकिन सबसे जरूरी बात ये है कि मुआवजा सही मिलना चाहिए क्योंकि ये गरीब परिवार हैं और मुश्किल का समय है इनके लिए. तो मुआवजा ज्यादा से ज्यादा मिलना चाहिए.

उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि पीड़ितों को दिल खोलकर मुआवजा देना चाहिए. ये गरीब लोग है, इनको पैसे की जरूरत है. अगर पैसा एक साल बाद देंगे तो इसका कोई फायदा नहीं होगा. वहां पुलिस की तरफ से व्यवस्था सही नहीं थी, ऐसा परिवार वालों ने बताया है. जो चिंता की बता है.

राहुल गांधी शुक्रवार सुबह अलीगढ़ के पिलखना गांव पहुंचे थे, जहां उन्होंने

यहां प्रेमवती के परिवार और शांति देवी के बेटे से मुलाकात की. राहुल गांधी पिलखना गांव के जिस घर पहुंचे थे, वहां हाथरस भगदड़ में घायल हो चुके दो पीड़ित परिवार के लोग भी मौजूद थे.

राहुल गांधी ने पीड़ित परिवारों से क्या कहा ?

राहुल गांधी ने अलीगढ़ पहुंचकर पीड़ितों को आश्वासन दिया है कि वह संसद में इस मामले को उठाएंगे और उन्हें न्याय दिलाने की कोशिश करेंगे.

अलीगढ़ में एक पीड़ित परिवार की सदस्य ने बताया कि राहुल गांधी ने हमें मदद का आश्वासन दिया था. उन्होंने कहा कि पार्टी के माध्यम से हमारी पूरी मदद की जाएगी. उन्होंने हमसे पूरी घटना के बारे में पूछा कि घटना कैसे हुई थी.

अलीगढ़ में भगदड़ पीड़ितों ने क्या कहा ?

राहुल गांधी ने अलीगढ़ के पिलखना गांव पहुंचकर हाथरस की भगदड़ में दम तोड़ चुकी प्रेमवती की बहू सोनिया से मुलाकात की. इस मुलाकात के बाद सोनिया ने आज तक को बताया कि मेरी सास में अंधविश्वास भरा हुआ था. अब अंधविश्वास का पर्दा हट गया. वो भगवान होता तो क्या अपने भक्तों को नहीं बचाता? हमने अपनी सास की मौत के बाद बाबा की फोटो उठाकर फेंक दी है.

हाथरस में 3 पीड़ित परिवारों से मिलेंगे राहुल गांधी

राहुल अलीगढ़ से सीधे हाथरस पहुंचेंगे, जहां वह तीन पीड़ित परिवारो से मिलेंगे. वह हाथरस भगदड़ में जान गंवा चुकीं मुन्नी देवी और आशा देवी के साथ घायल माया देवी के परिवार से भी मुलाकात करेंगे. बता दें कि मुन्नी देवी और आशा देवी हाथरस के नवीपुर खुर्द की रहने वाली हैं.

वह इस हादसे में जान गंवा चुकी मुन्नी देवी, आशा देवी और घायल माया देवी के परिवार से मिलेंगे. वह जिला अस्पताल में भर्ती हैं. राहुल गांधी के इस दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है.

उत्तर प्रदेश के हाथरस में इस सप्ताह की शुरुआत में एक धार्मिक आयोजन में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी. मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं. इस घटना में स्वयंभू भगवान 'भोले बाबा' उर्फ नारायण साकार हरि की ओर से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था.

आयोजन समिति से जुड़े छह लोग गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश पुलिस ने गुरुवार को कार्यक्रम की आयोजन समिति से जुड़े छह लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस की आंतरिक जांच रिपोर्ट में प्रबंधन और सुरक्षा प्रोटोकॉल में गंभीर खामियों को पता चला है.

मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर पर 1 लाख का इनाम

हाथरस हादसे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में आईजी शलभ माथुर ने कहा कि मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर पर एक लाख का इनाम रखा गया है. पुलिस जल्द ही कोर्ट से उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करवाएगी. आईजी ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो भोले बाबा से पूछताछ की जाएगी. बाबा का रोल सामने आया, तो उसके खिलाफ करवाई की जाएगी.

हालांकि FIR में भोले बाबा का नाम नहीं है. लेकिन भोले बाबा के अपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है. उनके फॉलोअर्स हर शहर में हैं, ऐसे में कई शहरों में पुलिस की टीमें लगी हुई हैं. बाबा ने नौकरी से वीआरएस लिया था, न्यायिक आयोग इसमें प्रशासनिक लापरवाही की जांच करेगा.

आईजी ने कहा कि जिन आरोपियों को पूछताछ के बाद अरेस्ट किया गया है, वह आयोजन समिति के मेंबर हैं. आरोपी घटना के बाद मौके से फरार हो गए थे. पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें 2 महिलाएं शामिल हैं. आरोपी खुद ही क्राउड मैनेजमेंट का काम करते थे. इस काम के लिए प्रशासन का हस्तक्षेप इन्हें स्वीकार नहीं था.

वहीं, जिला मजिस्ट्रेट आशीष कुमार ने कहा कि भगदड़ के बाद 21 शवों को आगरा, 28 को एटा, 34 को हाथरस और 38 को अलीगढ़ ले जाया गया. उत्तर प्रदेश सरकार ने बुधवार को हाथरस त्रासदी की जांच के लिए हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया, जो इस संभावना की भी जांच कर रहा है कि भगदड़ के पीछे कोई साजिश थी. पैनल दो महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगा.

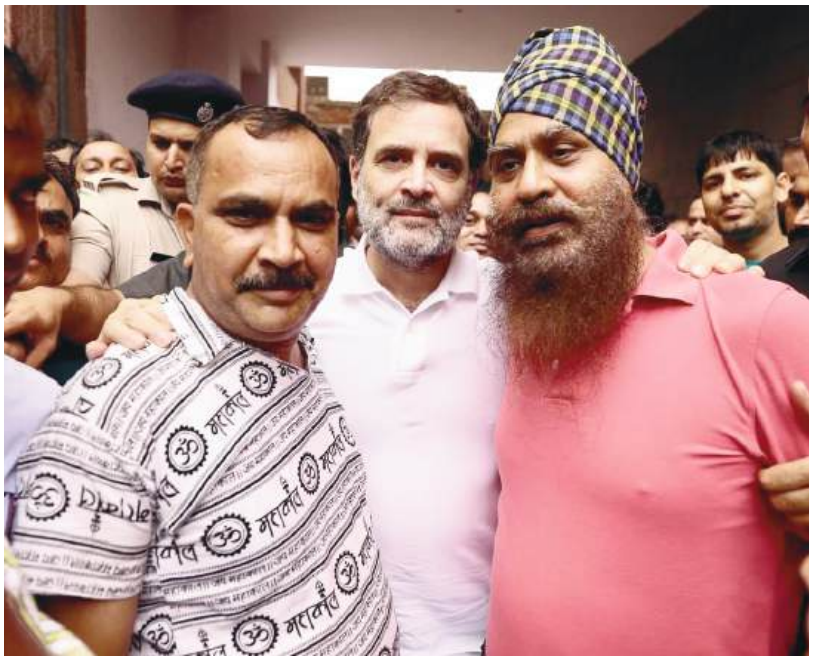

नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी ने आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर ट्रेनें चलाने वाले लोको पायलटों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। भारतीय रेलवे में ट्रेन चलने वाले लोको पायलट बहुत कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं। लंबी दूरी की ट्रेनें, कई घंटे की ड्यूटी, न नींद, न आराम, वे तनाव में काम करते हैं और इस वजह से भी दुर्घटनाएं होती हैं। रेलवे में 3 लाख से ऊपर पद खाली हैं। लोको पायलट के भी हजारों पद खाली हैं। भाजपा सरकार भर्तियां नहीं कर रही है। पायलटों को आशंका है कि मोदी सरकार रेलवे का निजीकरण करने के मकसद से जान–बूझकर ऐसा कर रही है। राहुल जी ने लोको पायलटों को भरोसा दिलाया कि वे विपक्ष के नेता के रूप में उनका मुद्दा संसद में उठाएंगे।वं होनहार युवक–युवतियाँ बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं.

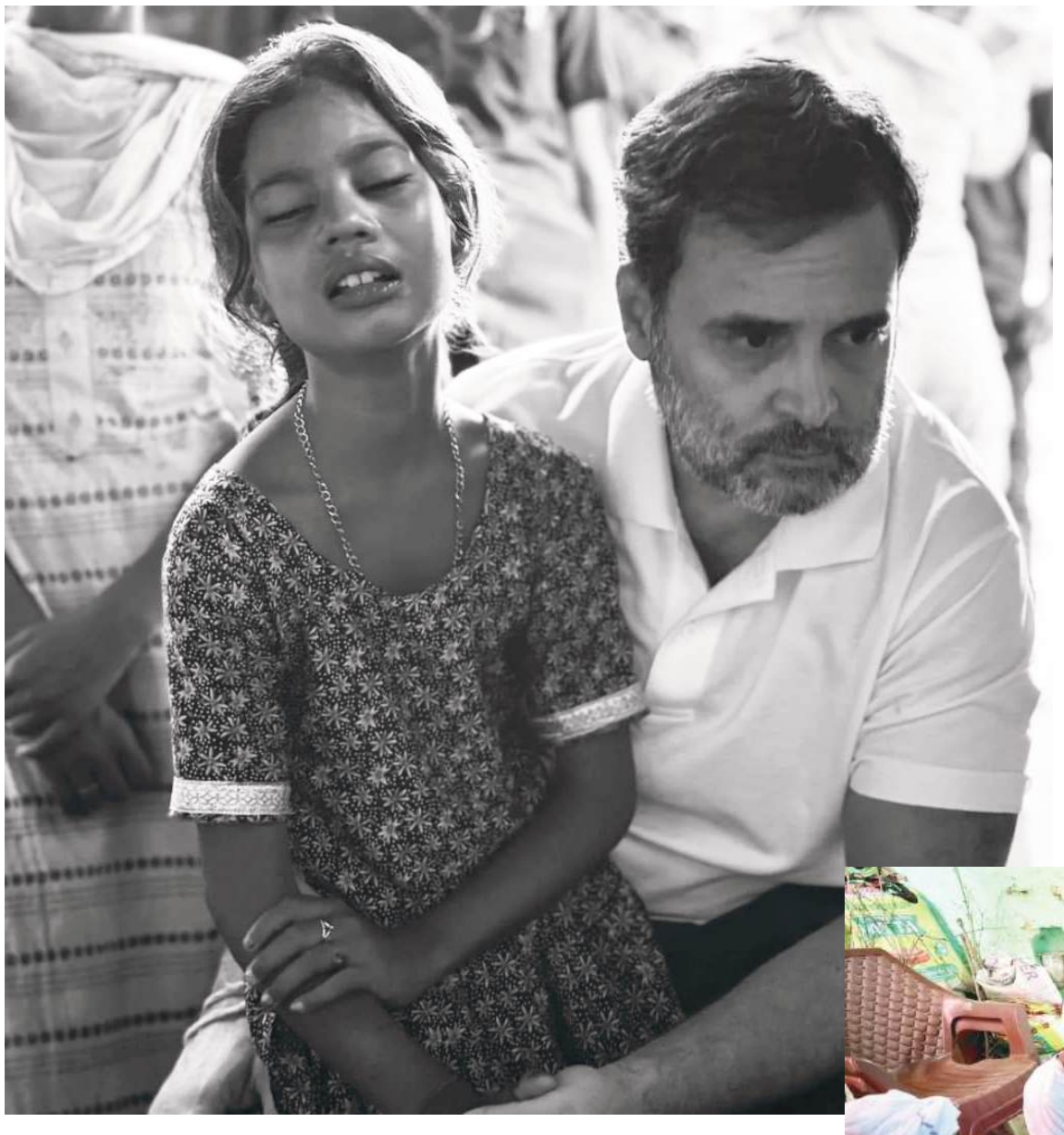

नेता विपक्ष श्री राहुल गांधी जी हाथरस हादसे के पीड़ित परिवारों से मिले और उन्हें भरोसा दिलाया कि इस दुख की घड़ी में हम सब साथ हैं।

पीड़ितों से मुलाकात के बाद राहुल गांधी जी ने राज्य सरकार से अपील की कि पीड़ित परिवारों के लिए यह बहुत मुश्किल समय है। उन्हें उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

यही हैं राहुल गांधी ! और राहुल गांधी होना आसान नहीं !!

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

5 जुलाई, 2024

हाथरसः सुबह 5 बजे

तड़के अभी अंधेरा ही था, पौ फटने से पहले जब पूरी दिल्ली सो रही थी. सुबह के 5 बजे थे

तो राहुल गांधी गाड़ी से हाथरस के लिए निकल पड़े

वह सीधा पहले पिलखना, अलीगढ़ पहुँचे जहां हाथरस भगदड़ पीड़ित परिवारों से मिले

और उसके बाद हाथरस के नवीपुर खुर्द पहुँच कर पीड़ितों से मिले

दोनों जगह बेतहाशा भीड़ उमड़ पड़ी थी. हर घर में मातम, मानो दुःख का पहाड़ टूट पड़ा हो, और ऐसा कैसे हो सकता है कि जहाँ इतने पीड़ित परिवार हों, वहाँ राहुल गांधी न पहुँचें

राहुल जी बहुत देर उन परिवारों से बात करते रहे, उनको हिम्मत बँधाई, जिन्होंने अपनों को खोया था उनसे उनके बारे में बात की, मोबाइल पर उनकी तस्वीरें देखीं। उन्होंने एक विह्वल बच्ची का माथा चूमा, एक अम्मा ने सिर पर हाथ रख आशीर्वाद दिया, एक भाई को गले लगाया, एक पिता का हाथ मज़बूती से पकड़ कर बिना बोले बहुत कुछ कह दिया

आख़िर हम अपने सबसे कमज़ोर क्षणों में चाहते ही क्या हैं? यही तो कि कोई अपना साथ आकर खड़ा हो जाए, सर पर हाथ रख दे, गले लगा कर कह दे कि मैं आपके साथ हूँ । वापस दिल्ली पहुँचते पहुँचते दिन के एक बजने वाले थे, सुबह से बिना चाय नाश्ता या कुछ भी खाए वो वापसी में रास्ते भर ख़ामोश बैठे रहे

शायद जिन लोगों से मिलकर आये उनके बारे में सोच रहे थे, उनके आंसुओं के बारे में, उनके दर्द के बारे में, जो बिछड़ गए उनके बारे में

अपनों से बिछड़ने का दर्द राहुल जी से बेहतर कौन जान सकता है?

नई दिल्ली स्टेशनः दिन में 1 बजे

लेकिन दिल्ली पहुँच कर वह घर नहीं गए, गाड़ी सीधा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर मुड़वा दी. वहाँ उनको लोको पायलट्स से मिलना था

रेल दुर्घटना की बढ़ती हुई खबरों के बीच एक बात

हमेशा दब कर रह जाती है कि देश में लोको पायलट्स की भारी कमी है – 21% स्वीकृत पद रिक्त पड़े हैं, अमानवीय स्थिति में कभी कभी बिना पर्याप्त आराम और नींद के यह लोग निर्धारित समय से कई–कई घंटे ज़्यादा काम करने को मजबूर हैं

इनकी समस्याएँ सुनकर एक साझा समाधान निकालने के लिए राहुल जी ने इन्हें आश्वस्त किया

राष्ट्रपति भवनः शाम 5 बजे

क़रीब 3 बजे घर पहुँचने के बाद शाम के 5 बजे बतौर नेता प्रतिपक्ष वह राष्ट्रपति भवन में आयोजित **Gallantry Award** समारोह–2024 (प्रथम चरण) में सम्मिलित हुए

देश के सैन्य और सुरक्षाबलों के जाँबाज़ों के शौर्य पर हमें गर्व है और उनकी कर्तव्यनिष्ठा के प्रति कृतज्ञता

आज देश को इसी मोहब्बत की ज़रूरत है, ऐसे नेता की ज़रूरत है जो सुख–दुःख का भागीदार बन जाये, जिसके आने पर लगे कोई अपना आ गया है, और जिसके होने पर यक़ीं हों कि अब सब संभल जाएगा, जिसके अंदर सत्ताधीशों से लड़ने की जितनी ताक़त हो, उससे ज़्यादा बेलौस होकर वो लोगों को गले लगा ले

सच ही तो है – नेता ऐसा हो जो अल–सवेरे उठ कर सकरी गलियों में घूम कर ग़रीबों, पीड़ितों, मज़लूमों के आंसू पोंछे, लोको पायलट से मिलकर उनकी दिक़्क़तें समझे, समाधान की चर्चा करे – और फिर जब सदन में खड़ा हो तो दहाड़ कर सबके हक़ की लड़ाई लड़े

यही हैं राहुल गांधी ! और राहुल गांधी होना आसान नहीं !!

श्रीमती सुप्रिया श्रीनते

अलीगढ़ और हाथरस में पीड़ित परिवारों से मिले राहुल गांधी

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

हाथरस कांड में यूपी पुलिस की जांच जारी है। इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार सुबह पहले अलीगढ़ और फिर हाथरस पहुंचे। दोनों जगह हाथरस हादसे के घायलों से मिले। कुछ पीड़ परिवारों से भी मिले। नीचे देखिए वीडियो।

बकौल राहुल गांधी, 'यह एक दुखद घटना है। कई लोग मारे गए हैं। पीड़ित परिवारों को अधिकतम मुआवजा दिया जाना चाहिए। मैं यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से खुले दिल से मुआवजा देने का अनुरोध करता हूं। मैंने मृतक के परिवार के सदस्यों से व्यक्तिगत बातचीत की और उन्होंने मुझे बताया कि कोई पुलिस व्यवस्था नहीं थी।

इस बीच, यूपी पुलिस का एक्शन जारी है। गुरुवार को पुलिस ने छह सेवादारों को गिरफ्तार किया। इसमें दो महिलाएं शामिल हैं। 20 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर फरार है। पुलिस ने उस पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। वह मनरेगा तकनीकी सहायक है।

इसके सात ही, भीड़ रोकने, धकेलने और साक्ष्य छुपाने का प्रयास करने वाले सेवादारों को चिह्नित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित एसआईटी ने अब तक 70 लोगों के बयान दर्ज किए हैं।